

मकुनी स्त्री. (देश.) आटा, सत्तू आदि में बेसन भरकर आँच से सेंक कर बनाई गई नमकीन बाटी या कचौरी, बेसनी रोटी।

मकोई स्त्री. (देश.) 1. मकोय, एक कँटीला पौधा जो प्रायः सीधा ऊपर की ओर बढ़ता है और इसमें सुपारी के बराबर आकार के, लाली से युक्त खट्टे-मीठे फल लगते हैं, इसका फल, जंगली मकोय, एक प्रकार का क्षुप जिसमें काँटे नहीं होते और काली मिर्च के बराबर लाल या काले रंग के छोटे फल लगते हैं 2. रसभरी का पौधा या फल।

मकोड़ा पुं. (देश.) 1. एक छोटा कीड़ा 2. चींटा।

मकोय स्त्री. (तद्.) काकमाता, मकोई, एक क्षुप जो दो प्रकार का होता है और इनमें एक में लाल और दूसरे में काले रंग के बहुत छोटे-छोटे फल (दाने) होते हैं; उक्त फल, एक कँटीला पौधा या उमदा फल, रसभरी।

मक्का पुं. (अर.) 1. अरब का एक प्रसिद्ध नगर जो मुसलमानों का सबसे बड़ा तीर्थ माना जाता है पुं. (देश) 2. ज्वार, मकई, एक मोटा अनाज, इनका पौधा।

मक्कार वि. (अर.) फरेबी, कपटी, छली, धोखेबाज, धूर्त, चालाक, कपटी, मक्र करने वाला।

मक्खन पुं. (तद्.) दूध का सार भाग जो दही या मठे को मथने पर निकलता है और इसे ही तपाने से घी निकलता है, नवनीत, नैनू।

मक्खी स्त्री. (तद्.) 1. मक्षिका, एक कुख्यात छोटा कीड़ा या पतंगा जो सामान्यतया सब स्थानों पर उड़ता फिरता है 2. मधुमक्खी, मुमाखी, शहद की मक्खी।

मक्खीचूस पुं. (देश.) बहुत अधिक कंजूस या कृपण।

मक्र पुं. (अर.) छल, धोखा, कपट, पाखंड।

मक्षिका स्त्री. (तद्.) दे. मक्खी।

मखतूल पुं. (तद्.) काला रेशम।

मखतूली वि. (तद्.) काले रेशम से बना हुआ, काले रेशम का।

मखदूम पुं. (अर.) 1. वह जिसकी खिदमत या सेवा की जाए, मालिक, स्वामी, सेवित, सेव्य, पूज्य 2. एक प्रकार के मुसलमान धर्माधिकारी या फकीर।

मखनिया पुं. (देश.) मक्खन बनाने या बेचने वाला वि. ऐसा दही या दूध जिसमें से मक्खन निकाल लिया गया हो।

मखभूमि पुं. (तद्.) यज्ञ-भूमि, यज्ञ का स्थान।

मखमल स्त्री. (अर.) 1. एक प्रकार का बढ़िया, रोएँदार, रेशमी, मुलायम कपड़ा या वस्त्र 2. चौलाई के पौधे पर लगने वाला फूल।

मखरैला वि. (देश.) पृथ्वी की सतह से नीचे स्थित चट्टानों के विघटन से बनी मिट्टी; बहते जल के नीचे एक जगह स्थिर व एकत्र मृदा सामग्री।

मखलूक स्त्री. (अर.) 1. सृष्टि के प्राणी और जीव जंतु आदि, जो पैदा किया गया हो, सृष्ट 2. प्राणी, सृष्टि।

मखाना पुं. (तद्.) मखान्न, तालमखाना, यज्ञान्न, ताल-मक्खन, भारत में काफी स्थानों पर पाया जाने वाला एक काँटेदार पौधा जो दलदल में होता है और जिसके बीज, जड़, पेड़ आदि सब दवाओं में काम आते हैं और जिसके बीज भून कर खाए जाते हैं।

मखौल पुं. (देश.) हँसी, ठट्ठा, उपहास, मजाक, विनोद, दिल्लगी, खिल्ली।

मग पुं. (तद्.) मार्ग, रास्ता, राह, पथ पुं. (तद्.) मगध देश, मगह, एक प्रकार के शाकद्वीपी ब्राह्मण पुं. (अं.) बड़ा प्याला, पानी या किसी द्रव का बड़ा प्यालानुमा या गिलासनुमा बर्तन या पात्र, गंभीर वि. (फा.) गहरी, छोटी नदी।

मगज पुं. (अर.) 1. दिमाग, भेजा, सार भाग, मस्तिष्क, मगज 2. गिरी, गूदा, फलों के अंदर की गिरी।

मगजी स्त्री. (फा.) कपड़े के किनारे पर लगी हुई पतली गोद, मिर्जई, रजाई आदि पर लगाई जाने वाली गोद।